साली ने जीजू के लंड का मजा लिया

“वाइफ सिस्टर Xxx कहानी में मुझे अपनी पत्नी की चचेरी बहन यानि अपनी साली के घर जाना पड़ा तो वहां मेरे साथ क्या क्या हुआ ? उसने मेरे साथ क्या सलूक किया ? …”

Story By: सोना 1027 (sona1027)
Posted: Tuesday, November 14th, 2023
Categories: जीजा साली की चुदाई
Online version: साली ने जीजू के लंड का मजा लिया

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

साली ने जीजू के लंड का मजा लिया

वाइफ सिस्टर Xxx कहानी में मुझे अपनी पत्नी की चचेरी बहन यानि अपनी साली के घर जाना पड़ा तो वहां मेरे साथ क्या क्या हुआ ? उसने मेरे साथ क्या सलूक किया ?

दोस्तो, मैं आपका दोस्त राज.
मेरी सेक्स कहानी के इस भाग में आपका पुन : स्वागत है.
हालांकि इस सेक्स कहानी का शीर्षक अलग है पर यह उसी से जुड़ी हुई कहानी है.

पिछली कहानी
बचपन के प्यार से शादी और सेक्स
में आपने पढ़ा था कि मैंने अपनी बचपन की संगिनी सौम्या से शादी कर ली थी और उसके साथ सुहागरात की चुदाई का मस्त मजा लिया था.

अब आगे वाइफ सिस्टर Xxx कहानी :

शादी के 3 दिन बाद उसकी बहन मानसी चली गई.
फिर हम दोनों भी एक महीने के बाद पुणे आ गए.

मुझे दिल्ली से एक अच्छी जॉब का अवसर मिला तो मैं दिल्ली आ गया.
सौम्या पुणे में ही थी.

मैं दिल्ली आया तो सौम्या ने कहा- आप मानसी के घर में रुक जाना. उसका दिल्ली में अपना फ्लैट है.
यह मानसी मेरी पत्नी सौम्या की चचेरी बहन थी जिसने सुहागरात की चुदाई की चीख सुनी थी.

ये दोनों बचपन से पक्की सहेली रही थीं.
मानसी के मम्मी पापा बचपन में चल बसे थे तो सौम्या के पापा ने उसे अपने बेटी ही माना था और ये दोनों भी एक दूसरे को जान से ज्यादा चाहती थीं.

मानसी भी कमाल की दिखती है, वह बिलकुल दिव्या खोसला कुमार जैसी लगती है.

मैं उसके फ्लैट पर पहुंच गया, घंटी बजाई तो दरवाजा खुला.

वह शायद मानसी की घरेलू नौकरानी थी.
उसने कहा- आप राज जी हो ना!
मैंने कहा- हां.

तो उसने कहा- मुझे मैडम ने बता दिया था. आप बैठिए. मैडम 9 बजे तक आएंगी.
उसने मुझे पानी, कोल्ड ड्रिंक थोड़ा नाश्ता सर्व किया और चली गयी.

मैं फ्रेश होकर टीवी देखने लगा.
थकान के कारण मेरी आंख लग गई.

मेरी नींद तब खुली जब एक मीठी आवाज कानों में पड़ी- उठिए जीजा जी!

मैं उठा और आंख खोली तो सामने मानसी किसी अप्सरा के जैसी खड़ी थी.

सामने से पहली बार उसे गाउन में देखा था. वह बहुत ज्यादा खूबसूरत थी.

उसने एक घुटने तक आने वाला काले रंग का रेशमी गाउन पहना हुआ था जिसका गला काफी खुला हुआ था और उसकी चूचियों के उभार एक पतली सी ब्रा में कैद थे.

पतली सी ब्रा इसलिए लिखा क्योंकि मानसी के मम्मों के कड़क निप्पल उसके रेशमी गाउन

के बाहर से ही नुमाया हो रहे थे.

शायद वह खुद ही अपने दूध दिखाने को उतावली लग रही थी इसलिए मेरे उठ जाने के बाद भी वह मेरे सामने झुकी हुई थी ताकि मैं उसके मम्मों का दीदार कर लूं.

मैं उसके मम्मों को ललचाई नजरों से देखते हुए उठा और फ्रेश हुआ.
फिर हॉल में बैठ गया.

वह प्लेट में मेरी फेवरेट पनीर चिली, वेज पुलाव और सलाद लेकर आई.
उसके हाथ में एक व्हिस्की की बोतल थी.

मैंने मादक भाव से उसे देखते हुए कहा- क्या बात है ! शवाब के हाथ में शराब !
उसने हंस कर आंख दबाते हुए कहा- जब शवाब और शराब सामने है, तो आओ अब जश्न मनाते हैं.

मैं भी झट से मान गया.

मानसी ने दारू की बोतल खोली और दोनों का पहला पैग बनाया.
हम दोनों ने चियर्स किया और पहला पैग पी गए.

ऐसे ही हम दोनों ने धीरे धीरे 4-4 पैग पी लिए और अब मानसी को नशा चढ़ रहा था.

जब वह पांचवां पैग पी रही थी तो उसका ग्लास गिर गया और दारू उसके टॉप पर गिर गई.

वह तो इतने नशे में थी कि उसको कुछ पता ही नहीं चल रहा था.
लड़खड़ाती हुई आवाज में वह मुझसे बोली- प्लीज मुझे साफ कर दो.

मैंने उसकी तरफ देखा.
मैं भी नशे में आ चुका था.

गाउन में से उसकी छाती पर तनी हुई मोटी मोटी चूचियों की नोकें साफ नजर आ रही थीं.

उसकी फिगर 36-30-38 की थी.
पूरी कयामत लग रही थी.

जैसा कि मैंने आपको बताया कि वह दिव्या खोसला कुमार की तरह दिखती है.
मैं तो उसको देखता ही रह गया और जब वह उठ कर बाथरूम की तरफ अन्दर जाने लगी तो उसकी फूली हुई गांड को देख कर मेरा फौलादी लंड खड़ा हो गया.

मैंने उससे कहा- मैं नहीं कर सकता … क्योंकि उसके लिए मुझे तुम्हारा गाउन भी खोलना पड़ेगा.

वह बोली- प्लीज यार, तुम कुछ भी मत सोचो और तुम जैसे चाहो इसे बस साफ कर दो.
मैंने उसका गाउन उतारा और उसके गाउन को खोलते ही मुझे उसकी लाल रंग की ब्रा के अन्दर उसके बहुत बड़े बड़े मुलायम स्तन नजर आए.

उन्हें देखकर मेरा मन उन्हें पकड़ कर चूसने का हो रहा था.

वह हंसी और बोली- कैसे हैं ?
मैंने कहा- बहुत मस्त हैं.

अब तक मेरा लंड भी खड़ा हो चुका था.

मैंने तौलिये से उसके गोरे गोरे जिस्म को बहुत हल्के हाथों से साफ कर दिया.
मैं उसके मम्मों को देखता रहा.

तभी वह बोली- क्या अब घूरते ही रहोगे या कुछ करोगे भी ? प्लीज मेरी ब्रा भी उतार दो न !

उसी समय मुझे सौम्या का भोला चेहरा याद आ गया.
मैंने उससे कहा- ये गलत है. मैं सौम्या को प्यार करता हूँ.

उसने कहा- जीजा जी, सौम्या को सब पता है. आपको प्यार करने वाली वह अकेली नहीं है. वह नाराज़ नहीं होगी.
मैं भी नशे में था, वासना मुझ पर हावी हो रही थी.

मैंने कहा- तुम मुझसे पाप करवा रही हो.
वह हंसी और बोली- मुझे चोदने से तुम पापी नहीं बनोगे, यह बात पक्की है.

जब उसने चुदाई की बात साफ साफ शब्दों में कही तो मेरा लंड भड़क गया.
मैंने धीरे धीरे एक एक करके उसके सभी कपड़े उतार दिए.

जब मैंने उसकी पैंटी को छुआ तो वह चूत रस में एकदम गीली थी.
मैं समझ गया कि इसको भी मेरे छूने से जोश आ रहा है.

लेकिन उसके पूरे कपड़े उतारते ही मेरा तो जैसे दारू का नशा ही उतर गया था.
मैंने धीरे से अपने भी सारे कपड़े उतार दिए.

फिर मैं अपने लंड को शराब से नहला कर उसके मुँह के पास ले गया और उससे बोला- लो लॉलीपॉप चूस लो.

वह भी नशे की हालत में मेरे एक बार कहने से ही मान गई और मेरे लंड को पूरा अपने मुँह में लेकर चूसने लगी.

मैं बोतल से बूंद बूंद करके शराब अपने लंड पर टपकाता गया और वह मेरे लौड़े को चूसती हुई शराब को भी पीती गई.

नीचे से मैं उसकी गीली एकदम व गर्म चूत में उंगली कर रहा था.
धीरे धीरे मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी तो उसको बहुत दर्द होने लगा और वह ज़ोर ज़ोर से सिसकारियां लेने लगी.

मैं समझ गया कि उसकी चूत अभी तक कुंवारी है और आज में पहली बार उसकी चूत का भेदन करूँगा.

उसके लंड चूसने से जब मैं झड़ने वाला था तो मैंने लंड उसके मुँह से बाहर निकाल लिया और सारा वीर्य एक ग्लास में निकाल दिया.
फिर उसी ग्लास में एक और पैग बनाकर मानसी को पिला दिया.

वह बड़े मज़े लेकर पी गई और मैं उसकी चूत चाटने लगा.

थोड़ी ही देर में पूरी गर्म हो गई और उसकी चूत से पानी भी निकल रहा था.
उसको जरा सा भी होश नहीं था कि उसके साथ क्या क्या हो रहा है.

मैंने थोड़ी देर बाद उसे एक पैग बनाकर और पिला दिया और उसे अपनी गोद में उठाकर बेडरूम में ले आया, उसे बेड पर लेटा दिया.

उसकी कमर के नीचे मैंने एक तकिया रख दिया.
इससे उसकी चूत का मुँह थोड़ा खुल गया और मुझे उसकी चूत का दाना साफ साफ दिखने लगा.

फिर मैंने अपना लंड उसकी गर्म चूत पर रखा और अन्दर डालने लगा.

लेकिन मेरा लंड उसकी टाईट चूत के अन्दर नहीं जा रहा था.

मैंने उसकी कमर को अच्छी तरह कसकर पकड़ा और लंड को चूत के मुँह पर रखकर एक ज़ोर का धक्का दे मारा.

मेरा पूरा लंड उसकी चूत में फिसलता हुआ अन्दर चला गया और मानसी के मुँह से एकदम ज़ोर से चिल्लाने की आवाज बाहर आ गई.
उसका भी दारू का सारा नशा उतर गया.

जब मैंने नीचे देखा तो उसकी चूत से खून निकल रहा था.
मानसी की आंखों से आंसू निकल रहे थे, सांसें ज़ोर ज़ोर से चल रही थीं.

वह पूरी पसीने से गीली हो चुकी थी और अब उसके मुँह से गाली भी निकलने लगी थी.

मानसी बोली- मादरचोद धीरे पेल साले … लुगाई हूँ तेरी … कोई रंडी नहीं हूँ.

उसकी गाली से मुझे और जोश आ गया और मैंने उसकी एक चूची को जोर से भींच दिया.
‘साली है तू मेरी. अभी बीवी नहीं हुई है.’

मानसी- आज से मैं भी आपकी हुई. अब हम दोनों आपकी पत्नी हैं और आप भी हम दोनों को एक जैसे ही चाहेंगे.
मैंने भगवान से कहा- एक छोड़ कर गई तो आपने दो दो प्यार करने वाली दे दीं.

मन में यह बोलते हुए मैं धीरे धीरे लंड को धक्के देकर उसे चोदने लगा.

वह कुछ बोलना चाह रही थी लेकिन अपनी चुदाई के दर्द के कारण कुछ बोल नहीं पा रही थी.

मानसी बोल रही थी- अह्ह्ह उह्ह्हह्ह बाहर मत निकालो इसे प्लीज … अह्ह्ह अब से मैं आपकी ही हूँ मेरे पतिदेव प्लीज मिसेज राज समझ कर ही मुझे चोदिए … अह्ह्ह्ह.
वह मादक सिसकारियां ले रही थी और मैं लगातार ताबड़तोड़ धक्के दिए जा रहा था.

मेरे लंड के चूत के अन्दर बाहर होने से पूरे कमरे में फच फच की आवाजें आ रही थीं.
कुछ मिनट के धक्कों के बाद उसको भी मज़ा आने लगा और वह भी मेरा पूरा साथ देने लगी.

मैं- क्यों मिसेज राज, अब तो आपको मेरे लंड से चुदाई करने में मज़ा आ रहा है ना ?
मानसी- हां पतिदेव अह्ह उह्ह और चोदो मुझे और चोदो … पूरी फाड़ दो आज मेरी चूत को … अह्ह हां और ज़ोर से … भोसड़ा बना दो मेरी चूत का.

मैं तो जैसे उसकी कामुक आवाजों को सुनकर पागल सा हुआ जा रहा था.
मैंने हचक कर चुदाई चालू कर दी.

‘आईईइ अह्ह्ह हां और तेज चोदो मुझे जानेमन चोदो … और तेज़ चोदो … मुझे आज चोदकर एक औरत बना दो.’

मैंने पास में रखी दारू की बोतल से एक लंबा घूंट नीट दारू का लिया और अपनी चुदाई की स्पीड तेज़ कर दी.

इसी बीच वह झड़ चुकी थी.

दस मिनट के बाद मैं झड़ने वाला था तो मैंने पूछा- वीर्य कहां पर निकालूँ ?
मानसी- मेरी प्यासी चूत में ही डाल दो और आज इसकी आग बुझा दो.

मैंने अपना सारा वीर्य उसकी चूत में निकाल दिया और थककर बेड पर लेट गया.

हमने उस रात को खूब दारू पी और एक बार चुदाई की.
फिर थककर ऐसे ही नंगे सो गए.

दूसरे दिन सुबह जल्दी उठकर मैंने एक बार और उसकी चूत में लंड डाला और उसे चोदा.

अब वह बड़े आराम से पड़ी रही और मेरे लंड का मज़ा लेती रही क्योंकि रात भर चुदाई से उसकी चूत फट चुकी थी जिसकी वजह से मेरा लंड आसानी से अन्दर बाहर हो रहा था.

उस दिन हम दोनों कहीं भी नहीं गए और पूरे दिन नंगे ही पड़े रहे.

दोस्तो, अब मानसी और सौम्या हम तीनों पति पत्नी की तरह रहते हैं.

अगर आपको वाइफ सिस्टर Xxx कहानी पसंद आई होगी.
कमेंट और मेल में जरूर बताना.
itsmj.1027@gmail.com

Other stories you may be interested in

मैं और मेरी गर्लफ्रेंड की पहली चुदाई

देसी GF सेक्स कहानी में मैंने अपने पड़ोस की रहने वाली लड़की को कॉलेज की तरफ से लगे कैंप में गर्लफ्रेंड बना कर चोदा. उस समय वह कुंवारी बुर थी. दोस्तो, मेरा नाम प्रेम है मेरी लम्बाई 5 फुट 7 […]
Full Story >>>

बड़ी बहन को पटाया और चोदा

भाई ने चोदा सगी बहन को इस कहानी में ! मैं अपनी शादीशुदा बहन की चूत का मजा लेना चाहता था. लंड की जरुरत उसे भी थी क्योंकि जीजू कई कई दिन बाद घर आते थे. आप सभी पाठकों का अंतर्वासना […]
Full Story >>>

बचपन के प्यार से शादी और सेक्स

लव मैरिज सेक्स कहानी में पढ़ें कि पड़ोस की एक लड़की से मेरी दोस्ती थी. वह मुझे पसंद करती थी. मेरी मम्मी भी उसे पसंद करती थी. हम दोनों की शादी हो गयी. उसके बाद … दोस्तो, आज मैं आपको […]
Full Story >>>

बर्थडे गिफ्ट में मिली मामी की चूत

Xxx मामी चुदाई का मजा मुझे मिलता ही रहता था क्योंकि मैं नाना के घर रह कर पढ़ा हूँ. मामी मुझसे सेट हो गयी थी. पिछले जन्मदिन पर मैं अपने घर था तो मामी ने मुझे बुलाया. दोस्तो, मेरा नाम […]
Full Story >>>

दोस्त की बहन के साथ सेक्स भरी मस्ती

हॉट लड़की बाइक सेक्स कहानी मेरे दोस्त की बहन के साथ एक्टिवा पर सेक्स बहती मौज मस्ती की है. मैंने उसे किस किया, उसके बूब्ज़ मसले, उसकी चूत में उंगली की स्कूटर पर उसके पीछे बैठे हुए ! नमस्कार दोस्तो ! मेरा […]
Full Story >>>